कर्मचारी केवल ओपीएस चाहता है : प्रमोद

सोनीपत/नफे सिंह : पैंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद ईश्कान ने ब्यान जारी करके कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाई गई यूनिफाइड पैंशन स्कीम देश के कर्मचारियों को केवल धोखा देने के लिए है। सरकार को अगर कर्मचारियों को देनी है तो पुरानी पैंशन दें, ताकि देश में कर्मचारियों द्वारा किए जा रहा आंदोलन समाप्त हो सकें। केंद्र सरकार द्वारा लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम यदि इतनी अच्छी और लाभकारी है तो केंद्र सरकार इस पहले सांसदों एवं विधायकों पर लागू करें। केवल कर्मचारियों पर ही क्यों लागू कि गई, क्योंकि सरकार को पता है कि इसका कोई लाभ कर्मचारियों को नहीं मिलना, केवल नाम बदलकर अच्छा कहना सही नहीं है।

निजी स्कूल एसो. के अध्यक्ष कुलभूषण की खुली चेतावनी, वोट से करेंगे चोट

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से महा आक्रोश रैली का आयोजन

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/चंद्रशेखर धरणी : विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले तक सरकार से अपनी मांग मनवाने की कौशिश में लगे हरियाणा की प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से महा आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के जरिए उन्होंने सरकार से निजी स्कूलों की ओर बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर वोट से चोट करने की चेतावनी दी। ऐसे में हमने प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने एसोसिएशन की मांगों के अलावा अपने संघर्ष की दास्तां और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

प्रश्न - आपने अम्बाला में महा आक्रोश रैली सरकार के खिलाफ की, इससे सरकार को आप क्या संदेश देना चाहते थे?

उत्तर - महा आक्रोश रैली के आयोजन करने का मतलब था कि सरकार को कुछ लोग और उनके नेता सरकार को गुमराह कर रहे थे कि ये प्राइवेट स्कूल जनता के हक में भी है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन बिलकुल खुश था और पूरी तरह से सरकार के साथ है परन्तु करीब 15,000 लोगों ने इसमें शिरकत कर यह जवाब दे दिया की वे सरकार से असंतुष्ट हैं और आक्रोशित हैं।

प्रश्न - पूरे हरियाणा से कितने लोग इस रैली में पहुंचे और प्रदेश के किन-किन जिलों से लोग इसमें पहुंचे और क्या यह रैली राजनीति से प्रेरित थी?

उत्तर - नहीं, यह रैली विशुद्ध गैर-राजनीतिक रैली थी और अगर मैं कहूं तो यह शिक्षकों की रैली थी जिसमें सिर्फ व्हाट्सएप मैसेज और फोन कॉल पर अपने - अपने खर्चों पर 15,000 शिक्षक वर्ग पहुंचा और सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। किसी पर कोई दबाव नहीं था और सभी अपनी इच्छा और मर्जी से रैली में आए।

प्रश्न - आपकी मुख्य मांगें क्या थी और कितनी मांगें थीं जिसकी मांग आप सरकार से कर रहे थे?

उत्तर - हमारी कुल 55 मांगें थीं जिनको पूरा करने की मांग हम सरकार से कर रहे थे और हम लगातार इसकी मांग महीनों से कर रहे थे।

प्रश्न- क्या इन मांगों को लेकर आपने शिक्षा मंत्री, परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री के समक्ष रखी थी या उनको इनका ज्ञान था आपकी समस्याओं के बारे में?

उत्तर - हां, बिल्कुल, हम लगातार और हमारे विभिन्न जिलों के अध्यक्ष लगातार मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिल रहे थे वे कई वर्षो से भी मिल रहे थे और समाचार पत्रों व चिट्ठियों से सभी मंत्रियों को लगातार आगाह कर रहे थे परन्तु किसी ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया जिस कारण सभी में आक्रोश था और है?

प्रश्न- आप का कहना है की सरकार ने 134-ए, चिराग और आर.टी. ई. के तहत आपके स्कूलो में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अरबों रूपये सरकार ने देने है, जबकि पूर्व में कई बार मंत्री पैसे देने की बात कह चुके हैं, सच्चाई क्या है?

उत्तर - हम बार-बार यह कह रहे हैं की 134-ए,चिराग और आर.टी.आई के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों का कानून अनुसार अरबों रूपये सरकार पर हमारा बकाया है तो अगर हम गलत बोल रहे हैं तो सरकार इसका रिकॉर्ड जनता के बीच दे दें श्वेत पत्र जारी कर दे ताकि जनता सच्चाई जान सकें।

प्रश्न - अगर सरकार आप लोगो का भुगतान नहीं करती है तो आप के संघठन ने यह धमकी दी है की हम वोट की चोट करेंगे क्या यह सही है ?

उत्तर - बिल्कुल अगर सरकार ने यह राशि जारी नहीं की तो हमारे साथी स्पष्ट रूप से वोट की चोट से वार करेंगे और आने वाले विधानसभा चुनाव में इसकी गूँज भी सुनाई देगी और परिणाम भी दिखेंगे।

प्रश्न - आप लगातार शिक्षा में भेदभाव मुक्त हरियाणा की बात कर रहे हैं क्या भेदभाव हो रहा है शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के साथ।

उत्तर - बिल्कुल प्राइवेट और सरकारी में पढने वाले विद्यार्थियों साथ सरकार खुल्लमखुल्ला भेदभाव कर रही हैं और अभिभावक इस भेदभाव बर्दाश्त कर रहे हैं मैं हमेशा आवाज उठा रहा हूँ अभिभावकों को भी साथ देना होगा तभी यह भेदभाव खत्म होगा।

प्रश्न - कुछ ऐसे उदहारण दें भेदभाव ताकि अभिभावक समझ सकें।

उत्तर - बहुत से उदहारण हैं भेदभाव के सरकारी स्कूल के छात्रों को 600 करोड़ के टैबलेट दिए प्राइवेट स्कूल के छात्रों को नहीं दिए अभी अभी अचार संहिता लगने से पहले सरकारी स्कूल के स.ष्ट छात्रों को 1 लाख 11 हजार की छात्रवृति दी प्राइवेट स्कूल में पढने वाले स.ष्ट छात्रों को नहीं दी खुल्लमखुल्ला भेदभाव है बीसी केटेगरी के छात्रों को क्यों नहीं दिया गया अन्य केटेगरी के मेधावी छात्रों को क्यों नहीं दिया गया। बोर्ड के छात्रों को क्यूं नहीं दिया गया इस प्रकार और भी बहुत प्रकार से भेदभाव होता है।

प्रश्न - आप का यह भी कहना है की भाजपा ने घोषणा पत्र में प्राइवेट स्कूलों से वादा किया था और उसे पूरा नहीं किया?

उत्तर - बिलकुल भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में वायदा किया था की सरकार आने पर नियमों का सरलीकरण किया जायेगा और स्कूलो को मान्यता प्रदान की जाएगी परन्तु आज भी स्कूल इसका इंतजार कर रहे हैं बंदी की तलवार उन पर लटक रही है।

प्रश्न - शिक्षा मंत्री जी बार - बार बयान दे रही है की किसी भी स्कूल को बंद नहीं होने देंगी?

उत्तर - हम उनके बयान का ह्रदय से स्वागत करते हैं परन्तु हमें ठोस उत्तर चाहिए और नियमों में सरलीकरण कर मान्यता चाहिए ना की सिर्फ बयान।

प्रश्न - क्या आपके पास कोई फॉर्मूला है जिससे इन सब स्कूलों को बचाया जा सके?

उत्तर - जी, सरकार को एक तो 2011 से जब आर. टी. आई का हरियाणा में कानून लागू हुए थे से पहले स्कूलों को एक्जिस्टिंग स्कूल मान लेना चाहिए, 2007 से पहले के स्कूलों को शिफ्टिंग परन्तु नियमों के तहत दे देनी चाहिए 10वीं और 12वीं तक के स्कूलो के जगहों में और 25 प्रतिशत छूट देनी चाहिए और 2007 से पहले के अस्थाई मान्यता प्राप्त स्कूलों को एक मुस्त मान्यता दे देनी चाहिए।

कुमारी विद्यावती आनंद डी.ए.वी. कालेज में मतदाता जागरुकता अभियान

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

करनाल/डा. हरीश चावला : कुमारी विद्यावती आनंद डी.ए.वी. कालेज फॉर वीमेन, करनाल में 29-30 अगस्त 2024 को दो दिवसीय मतदाता जागरुकता अभियान युवा रेड क्रॉस , रेड रिबन क्लब, संचार ब्यूरो, हिसार के सहयोग से तथा प्रधानाचार्या मीनू शर्मा के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान के दूसरे दिन, 'स्वीप' कार्यक्रम के अंतर्गत आज भी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालेज की प्राचार्या और विशिष्ट अतिथि मीनू शर्मा ने अपने संबोधन में छात्राओं को मतदान के महत्व और एक जिम्मेदार मतदाता बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करने की अपील की और बताया कि एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में युवा मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में प्राचार्या ने उपस्थित सभी छात्राओं और शिक्षकों को निष्पक्ष और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दीपक वर्मा, जिला शिक्षा विभाग, करनाल से थे। उन्होंने छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया इसके महत्व और जिम्मेवारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। केंद्रीय संचार ब्यूरो हिसार के दौलत राम ने भी छात्राओं को संबोधित किया और मतदाता जागरूकता पर आधारित एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने ज्ञान को परखा।

कार्यक्रम में मौजूद सटाफ व बच्चे।

भाजपा ने जनता को भय, भ्रष्टाचार, अपराध के अलावा कुछ नहीं दिया : सुमिता सिंह

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

करनाल/डा. हरीश चावला : जनसंपर्क अभियान के तहत मुगल कनाल में पहुंचने पर करनाल की पूर्व विधायक सुमिता सिंह का वहां के दुकानदारों ने स्वागत किया। इस मौके पर मुगल कनाल में जनसंपर्क दौरान दुकानदारों की समस्याएं सुनी। दुकानदारों ने कहा कि सड़के टुट्टी हुई हैं हमारा काम धंधा चौपट हो गया है। हम बहुत परेशान हैं। प्रशासन को कई बार कहा है कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस मौके पर सुमिता सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने में असफल साबित हुई है। करनाल में समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। कोई सुनने वाला नहीं है। सुविधाओं के नाम पर शहर वासी नरक जैसा जीवन जीने पर मजबूर है। उन्होंने कहा कि आप की समस्या जायज है सड़कें, सीवर, पानी निकासी, कूड़े की समस्या सारे शहर में है। हर जगह लोग परेशान है उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। ऐसे लगता है यहां कोई वाली वारिस नही। सरकार आने पर हम हल करवाएंगे और जरूरतमंद मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी खुद कांग्रेस सरकार उठाएगी।

अवैध खनन करने वालों पर शिकंजा कसें : डीसी

ओवरलोडिड वाहनों के चालान करने के भी निर्देश

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

करनाल, आशुतोष गौतम : डीसी उत्तम सिंह ने एनफोर्समेंट शाखा के एसएचओ को निर्देश दिये कि अवैध खनन में लिप्त लोगों पर कार्रवाई में तेजी लाई जाए। आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर नियमानुसार आगे की कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के अधिकारी को भी ओवरलोडिड वाहन के चालान करने के निर्देश दिए। डीसी आज यहां लघु सचिवालय में जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने एनफोर्समेंट एसएचओ से अवैध खनन को लेकर दर्ज की गई चार एफआईआर में आगे की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार कर आगे कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसने के निर्देश दिए। बैठक में जिला खनन अधिकारी निरंजन लाल ने बताया कि इस साल एक जून से 28 अगस्त तक अवैध खनन में लगे 40 वाहनों को जब्त किया गया। एक एफआईआर अवैध खनन और तीन अवैध परिवहन को लेकर दर्ज की गई। इस अवधि में जुर्माने के रूप में 662100 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में 170047961 और 2024-25 में अब तक 214381470 रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

बैठक में आरटीए विजय देशवाल, डीएमओ निरंजन लाल, खनन लेखाकार अरविंद, एनफोर्समैंट इंस्पैक्टर एसएचओ आदि मौजूद रहे।

बैठक में दिशा-निर्देश जारी करते हुए डीसी।

नई शाहाबाद राइस मिलर्स एसोसिएशन गुटबाजी का शिकार

अलग-अलग हुई दोनों गुटों की बैठक

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

शाहबाद/स्वामी : राइस मिल एसोसिएशन के नए प्रधान के चयन में अभी 24 घंटे भी नहीं बीते कि एसोसिएशन 2 गुटों में बंटी दिखाई दी। संगठन के नए प्रधान के चयन के रूप में सुमित अग्रवाल के प्रधान बनने के ठीक अगले दिन एसोसिएशन के दूसरे गुट की बैठक राइस मिलर मोहन लाल बंसल की एआर एग्रो राइस मिल में आयोजित हुई। बैठक के दौरान न केवल राइस मिलर्स की नई एसोसिएशन का गठन किया गया अपितु 6 सदस्यीय कमेटी बनाकर सर्वसम्मति से एसोसिएशन की कमान भी उनके हाथों में सौंप दी गई। राइस मिल एसोसिएशन शाहाबाद के नाम से गठित नई एसोसिएशन की 6 सदस्यीय कमेटी में अंकित बंसल, अभय वधवा, मुकुल गुप्ता, देवी लाल, मदन गर्ग एवं अखिल गर्ग को शामिल किया गया। राइस मिलर राकेश गर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधान पद पर सहमति न बनने की वजह से एसोसिएशन में टूट का दिन देखना पड़ा।

उन्होंने बताया कि शाहाबाद राइस मिल एसोसिएशन के कुछ सदस्य चाहते थे कि एसोसिएशन में इस बार प्रधान न बनाकर 4 या 5 सदस्यों की कमेटी बनाई जाए और वही कमेटी संयुक्त रूप से एसोसिएशन के तमाम कार्यकलापों को सुचारू तरीके से चलाए। उन्होंने कहा कि 2-4 सदस्यों की जिद्द के चलते आज उन्हें एसोसिएशन को टूटते हुए देखना पड़ रहा है। राकेश गर्ग ने कहा कि अपनी बात पर कायम रहते हुए उन्होंने अपनी नई एसोसिएशन में किसी को भी प्रधान न बना कर 6 सदस्यीय कमेटी का ही गठन किया है। नई नवेली राइस मिल एसोसिएशन शाहाबाद की कार्यकारिणी के रूप में 6 सदस्यीय कमेटी के गठन के दौरान पूर्व प्रधान रोहित वधवा, मुकेश अग्रवाल, प्रवीन बंसल, प्रवीण गर्ग, नवीन अग्रवाल, सैंडी, बलबीर खुराना, अमित सिंगला एवं सुशील गर्ग आदि राइस मिलर्स उपस्थित थे।

शाहाबाद राइस मिलर्स एसोसिएशन के नए प्रधान के चयन एवं दूसरी तरफ नई एसोसिएशन के गठन उपरांत 6 सदस्यीय कमेटी को एसोसिएशन की कमान सौंपने की तमाम उहापोह के बीच बने राइस मिलर्स के दोनों गुटों के सदस्यों की संख्या को लेकर अपने-अपने दावे हैं। उल्लेखनीय है कि शाहाबाद क्षेत्र में राइस मिलर्स एसोसिएशन के कुल 34 सदस्य थे।

जहां शाहबाद राइस मिलर्स एसोसिएशन के नवनियुक्त प्रधान सुमित अग्रवाल उनके गुट के सदस्यों की संख्या अधिक होने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नवगठित राइस मिल एसोसिएशन शाहाबाद के राकेश गर्ग ने अपने गुट में सदस्यों के रूप में राइस मिलर्स के अधिक संख्या बल होने की बात कही।

मेरा किसी के साथ कोई मतभेद नहीं : सुमित अग्रवाल -

शाहाबाद राइस मिलर्स एसोसिएशन के नव चयनित प्रधान सुमित अग्रवाल ने कहा कि एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर बुलाई गई हाउस की मीटिंग में जब प्रधान के लिए उनके नाम की प्रस्तावना हुई तो केवल 2-3 सदस्यों ने ही असहमति जताई। लेकिन 2 दिन बाद पुनः आयोजित एसोसिएशन की बैठक में 20 से 25 सदस्यों की मौजूदगी में उन्हें प्रधान चुना गया।

उन्होंने कहा कि उनके किसी के साथ कोई मतभेद नहीं है और न ही वे किसी को अपने से अलग समझते हैं। बातचीत के दौरान मौके पर उपस्थित राइस मिलर संदीप अग्रवाल एवं अमित गुप्ता ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन के समय 4 या 5 सदस्यीय कमेटी के गठन का औचित्य तो तब बनता है, जब कोई प्रधान बनने के लिए तैयार न हो। उन्होंने कहा कि जब एसोसिएशन में 1 नहीं बल्कि 2 लोग प्रधान बनने के स्वयं इच्छुक थे तो कार्यकारिणी के अतिरिक्त किसी और कमेटी का गठन उन्हें किसी भी दृष्टि से उचित नहीं लगता।

जनसभा, रैली, होर्डिंग, बैनर, पोस्टर के लिए स्थान निर्धारित

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

इंद्री/अनेजा : रिटर्निंग अधिकारी सुरेन्द्र पाल ने कहा कि सभी राजनीतिक दल व उम्मीदवार चुनाव प्रक्रिछ्या के दौरान आदर्श आचार चुनाव संहिता की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित करें। किसी भी ढंग से आदर्श चुनाव संहिता की उल्लंघना ना करें अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2024 के लिए राजनीतिक पार्टियों के लिए जनसभा, रैली, होर्डिंग, बैनर, पोस्टर आदि को लेकर प्रशासन द्वारा स्थान निर्धारित किए गए हैं।

रिटर्निंग अधिकारी सुरेन्द्र पाल ने बताया कि नगरपालिका इन्द्री की सीमा में राजनीतिक दल अनाज मंडी इंद्री तथा स्टेडियम ग्राउंड कलरी जागीर, स्टेडियम ग्राउंड गढ़ी जाटान, स्टेडियम ग्राउंड गढ़ी बीरबल नजदीक पावर हाउस ग्रामीण क्षेत्र की रैलियों के लिए स्थान निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका इंद्री की सीमा में होर्डिंग व पोस्टर के लिए बस स्टैण्ड नजदीक पोस्ट ऑफिस, नजदीक पुराना पटवार खाना, नजदीक सिविल हॉस्पिटल चौक, नजदीक वाल्मीकि चौक, गोल मार्किट नगरपालिका, नजदीक शनि मन्दिर एमआईटीसी ड्रेन, प्राथमिक पाठशाला के पास वार्ड नं 05 रामगढ़ छानो में स्थान निर्धारित किए गए हैं।

रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में होर्डिंग्स, फैलक्स व बैनर आदि के लिए गांव खुखनी में स्वास्थ्य केन्द्र के पास, हनौरी में बस स्टैण्ड के पास, नठौडी में ग्राम सचिवालय के पास,शेरगढ खालसा में मेन सडक् चौक के पास, कलसौरा में बस स्टैण्ड के पास, सातडी में ग्राम सचिवालय चौक, कांदराबाद में बस स्टैण्ड के पास, बुढनपुरा बांगर में बस स्टैण्ड के पास चौक, बीड भादसो में जरनल चौपाल के पास, खेडा में सामुदायिक केन्द्र व पंचायत घर के पास, इस्लामनगर में पार्क के पास, कलरी जागीर में गुरूद्वारा के पास चौक, धुमसी में स्कूल मोड पर, पटहेडा में पशु अस्पताल के पास, जैनपुर साधान में ग्राम सचिवालय के सामने, कलरा जागीर में एससी चौपाल के पास, शेखपुरा खादर में स्कूल के पास चौक पर, कैहरबा में मेन सडक् चौक पर, छपरियों में बीसी चौपाल के पास, मनोहर पुर में मेन सडक चौक पर, मुरादगढ, सामुदायिक केन्द्र चौक पर, गढपुर खालसा में मेन सडक् चौक पर, हंसुमाजरा में स्कूल के पास चौक पर, हैबतपुर में जरनल चौपाल के पास स्थान निर्धारित किए गए हैं।

हरियाणा चुनाव में बढ़ रहा यूपी के दलों का दखल

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/चंद्रशेखर धरणी : हरियाणा में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। इस बार हरियाणा के चुनाव में साथ लगते उत्तर प्रदेश के भी कई राजनीतिक दलों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। इस बार रके चुनाव में समाज वादी पार्टी के साथ ही आजाद समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख रूप से सक्रिय हो चुकी है।

इनमें हो चुका गठबंधन-

हरियाणा में भी कई राजनीतिक दल 2024 के इस विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दलों के सहारे प्रदेश की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। इनमें सबसे पहले इंडियन नेशनल लोकदल ने इस चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया। इसके बाद इनेलो से अलग होकर बनी जननायक जनता पार्टी ने चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी के साथ गठजोड़ किया। इनके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है।

कांग्रेस एकला चलो की राह पर-

हरियाणा में कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में अकेले की सत्ता की सीढ़ी पर चढ़ना चाहती है। हालांकि अखिलेश यादव की समाज पार्टी की ओर से हरियाणा में कांग्रेस से 5 सीटों की मांग की है, लेकिन हरियाणा कांग्रेस के नेता प्रदेश में किसी भी दल के साथ गठबंधन से साफ तौर पर इंकार कर चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत अन्य सभी नेता भी हरियाणा में कांग्रेस के अकेला चुनाव लड़ने में सक्षम होने की बात कहते हुए किसी भी दल के साथ समझौता नहीं करने का इशारा कर चुके हैं।

रिश्तेदारियों का पड़ता है असर-

हरियाणा की करीब दो दर्जन सीट ऐसी है, जिनकी सीधे तौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रिश्तेदारी है। ऐसे में रिश्तेदारियों के चलते यमुना के साथ लगता यमुनागनर, करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, फरीदाबाद, पलवल, नूंह, के अलावा भिवानी और गुरुग्राम जिलों की अनेक विधानसभा सीटों सीधे तौर पर उत्तर प्रदेश से प्रभावित होती है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि पिछले करीब 19 साल से सत्ता में वापसी का इंतजार कर रही इनैलो और 2019 में अकेले विधानसभा चुनाव लड़कर 10 सीट हासिल कर किंग मेकर बनी जन नायक जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के दलों से गठबंधन कर इस बार के चुनाव में क्या परिणाम हासिल कर पाएगी। इसके साथ ही बीजेपी और कांग्रेस अपने गठबंधन को लेकर क्या फैसला लेती है? इसका खुलासा भी आने वाले दिनों में हो सकता है।

सिमरनजीत मान को हरियाणा महिला आयोग का नोटिस

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/उत्तम हिन्दू न्यूज : पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को हरियाणा की महिला आयोग ने नोटिस भेजा है। यह नोटिस उन्हें भाजपा सांसद कंगना रनौत पर आपत्तिजनक बयान दिए जाने के बाद दिया गया है। महिला आयोग ने 5 दिन के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने को भी कहा है। महिला आयोग ने सिमरनजीत मान को भेजे नोटिस में कहा है कि हरियाणा राज्य महिला आयोग कंगना रनौत पर दिए आपके बयान पर स्वं संज्ञान लिया है। आपके आपत्तिजनक बयान के कारण एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंची है इसलिए आपको आदेश दिए जाते हैं कि आप 5 दिन के भीतर माफी मांगे और बयान पर अपना लिखित स्पष्टीकरण भी दें। सिमरनजीत सिंह मान कल हरियाणा में एक समारोह में गए हुए थे।

इस दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बात करते हुए कहा था कि कंगना को रेप का काफी तजुर्बा है, उनसे पूछिए कि रेप कैसे होता है। लोगों को समझाएं रेप कैसे होता है। सिमरनजीत इस विवादित बयान के बाद कंगना ने जवाब देते हुए कहा था कि ऐसा लगता है कि यह देश रेप को महत्वहीन बनाना कभी बंद नहीं करेगा। आज इस नेता ने रेप की तुलना साइकिल चलाने से कर दी, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि मजे के लिए महिलाओं के खिलाफ रेप और हिंसा राष्ट्र की मानसिकता में इतनी गहरी जड़ें जमा चुकी हैं कि इसका इस्तेमाल महिलाओं को चिढ़ाने या उनका मजाक उड़ाने के लिए किया जाता है, भले ही वह कोई बड़ा फिल्म डायरैक्टर या नेता ही क्यों न हो।

तीन दिवसीय प्रोफैशनल कराटे लीग प्रतियोगिता 6 से

लाडवा/शिव लाल चालिया : 06 व 08 सितम्बर तक यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन लाडवा द्वारा तीन दिवसीय प्रोफैशनल कराटे लीग प्रतियोगिता का आयोजन इंदिरा गांधी नैशनल कालेज, धनौरा, लाडवा में होगा। यह जानकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी जोग ध्यान लाडवा ने दी है जिसके लिए उन्होंने एक बैठक का आयोजन भी किया। कोच चमन लाल इसके लिए प्रयास में जुटे हैं। प्रतियोगिता में तीन लाख रुपयों के दो ईनाम भी रखे गए हैं। देश के आठ राज्यों के प्रतियोगी इसमें हिस्सा लेंगे।

ICICI Home Finance

कॉर्पोरेट कार्यालय: आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड आईसीआईसीआई एचएफसी टॉवर अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई-400059, इंडिया

शाखा कार्यालय: ग्राउंड फ्लोर, बी-1/4, कम्युनिटी सैंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

(नियम 8 (6) का परंतुक देखें)

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

सुरक्षाहित (प्रवर्तन) नियमों 2002 के नियम 8 (6) की शर्तों के साथ सुरक्षाहित अधिनियम 2002 के प्रवर्तन और प्रतिभूतिकरण और वित्तीय सम्पत्तियों के विनिर्माण के अन्तर्गत अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री की सूचना।

एतद् द्वारा सार्वजनिक सूचना हेतु और ऋणदाता(ऍ) और ग्रांटर(ऍ) के विवरणों में सूचित किया जाता है कि निम्न निर्धारित अचल सम्पत्ति बंधक/चार्जड सिक्योरड क्रैडिटर, आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा 'जैसे है जहां है', 'जैसे है क्या है' और 'जो भी है वहां है' के आधार पर निम्न के अन्तर्गत दिए संक्षिप्त विवरणों अनुसार बिक्री की जाएगी।

क्र. सं.	ऋणदाता (ऍ)/सह ऋणदाताओं/ ग्रांटरों/कानूनी वारिसों के नाम, ऋण खाता नं.	सुरक्षित सम्पत्ति(ऍ) के साथ ऋणभार का विवरण यदि कोई हो	बकाया राशि	आरक्षित कीमत / जमा धरोहर राशि	जांची गई सम्पत्ति की तिथि एवं समय	निलामी की तिथि एवं समय	नीलामी तिथि से एक दिन पहले	सरफेसी स्टेज
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)
1.	विक्रम छाछी (ऋणदाता) मनप्रीत कौर (सह-ऋणदाता), Loan Account No. LHDEL 00001290954	सम्पत्ति नं. 123, द्वितीय मंजिल एवं तृतीय मंजिल, खसरा नं. 174 एवं 176 ओल्ड एवं न्यू 173 एवं 175/82, आजाद नगर-सी, ईस्ट आजाद नगर, घोंडली, शाहदरा दिल्ली-110053	रु. 93,25,324.38/-, 22, अगस्त 2024	रु. 71,91,000/- / रु. 7,19,100/-	23 सितंबर 2024 को प्रातः 11 बजे से सायं 3.00 बजे तक	04 अक्टूबर 2024 को सायं 02:00 बजे से सायं 03.00 बजे तक	03 अक्टूबर 2024 को सायं 05.00 बजे से पहले	भौतिक कब्जा

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेंसी श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट (URL Link- eauctions.samil.in) पर आयोजित की जाएगी। बंधककर्ताओं/नोटिस को 03 अक्टूबर, 2024 को शाम 05:00 बजे से पहले आगे के ब्याज के साथ कुल बकाया राशि का भुगतान करने का अंतिम मौका दिया जाता है अन्यथा इन सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपरोक्त अनुसूची के अनुसार बेचा जाएगा।

संभावित बोलीदाताओं को आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय के पते पर में बयाना राशि जमा (ईएमडी) आरटीजीएस/ डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम ई देखें) या 03 अक्टूबर, 2024 को सांय 4:00 बजे से पहले जमा करना होगा। संभावित बोलीदाता(ऍ) पंजीकरण फार्मों और बोली के नियम एवं शर्तों की हस्ताक्षरित प्रति आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय के पते पर 03 अक्टूबर 2024 को सायं 05.00 बजे से पहले जमा की जा सकती है। बयाना राशि जमा डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) एक राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से 'आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड-नीलामी' के पक्ष में दिल्ली में देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के नियम और शर्तों या निविदा जमा करने के संबंध में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से 9920807300 पर संपर्क करें।

प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया देखें https://www.icicihfc.com/

तिथि: अगस्त 31,2024.
स्थान: दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी, आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
CIN Number U65922MH1999PLC120106